**भारत सरकार**

**पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय**

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न सं0 :1085**

**दिनांक 29 जुलाई, 2015**

**सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कम्पनियों द्वारा एलएनजी की खरीद की प्रतिबद्धता**

1085. श्री ए॰ विलियम रबि बर्नार्डः

क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) अगले पांच वर्षों के दौरान गेल, आईओसी, पेट्रोनेट एलएनजी इत्यादि, जैसी सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियां कितनी मात्रा में एलएनजी खरीदने के लिए प्रतिबद्ध हैं;

(ख) एलएनजी की अपेक्षित कीमतें कितनी होंगी, जिनके आधार पर इन संविदाओं पर हस्ताक्षर किए गए हैं;

(ग) अगले पांच वर्षों के दौरान देश में प्राकृतिक गैस की मांग को पूरा करने के लिए आयात की वर्तमान और अनुमानित निर्भरता की मात्रा क्या है; और

(घ) एलएनजी के आयात पर निर्भरता को कम करने के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है?

**उत्‍तर**

**पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्‍य मंत्री (स्‍वतंत्र प्रभार)**

**(श्री धर्मेन्‍द्र प्रधान)**

(क): गेल ने 20 वर्षों की अवधि में 8.3 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमएमटीपीए) के लिए तीन लंबी-अवधि की एलएनजी संविदाएं कार्यान्‍वित की हैं (यूएस से 5.8 एमएमटीपीए और रूस से 2.5 एमएमटीपीए)। इंडियन आयल कार्पोरेशन लि0 (आईओसीएल) ने 20 वर्षों की अवधि में 1.9 एमएमटीपीए के लिए दो लंबी-अवधि की संविदाएं कार्यान्‍वित की हैं (यूएस से 0.7 एमएमटीपीए और कनाडा से 1.2 एमएमटीपीए)। पेट्रोनेट एलएनजी लि0 (पीएलएल) रास गैस, कतर से लंबी –अवधि के आधार पर 7.5 एमएमटीपीए एलएनजी का आयात कर रही है और इसके अतिरिक्‍त उसने मोविल ऑस्‍टेलिया रिसोर्सेज कंपनी प्रा0 लि0 के साथ 1.44 एमएमटीपीए के लिए लंबी अवधि का आपूर्ति करार किया है।

(ख): अलग-अलग कंपनियां खुले सामान्‍य लाइसेंस के तहत एलएनजी का आयात करती हैं और एलएनजी की कीमतें खरीददार और विक्रेता के बीच संविदागत रूप से निर्धारित की जाती हैं। संविदाएं खरीददार और विक्रेता जैसे 12 माह के लिए जापानीज कस्‍टम-क्‍लियर्ड क्रूड (जेसीसी) की कीमत की मूविंग औसत, ब्रैंट क्रूड कीमतें, हैनरी हब आदि के बीच स्‍वीकृत अलग-अलग प्राचलों पर हस्‍ताक्षरित की जाती हैं।

(ग): अलग-अलग कंपनियां वास्‍तविक आवश्‍यकता और विभिन्‍न घरेलू स्रोतों से आपूर्ति के बीच की मांग को पूरा करने के लिए एलएनजी का आयात करती हैं। 12वीं पंचवर्षीय योजना के लिए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस क्षेत्र से संबंधित कार्यदल ने वर्ष 2015-16 से 2018-19 तक की अवधि के दौरान विभिन्‍न क्षेत्रों द्वारा प्राकृतिक गैस की मांग का निम्‍नवत अनुमान लगाया है:-

|  |  |
| --- | --- |
| वर्ष | विभिन्‍न क्षेत्रों द्वारा प्राकृतिक गैस की मांग (एमएमएससीएमडी में) |
| 2015-16 | 446  |
| 2016-17 | 473 |
| 2017-18 | 494 |
| 2018-19 | 523 |

तथापि, वास्‍तविक मांग मूल्‍य संवेदनशील है और 2014-15 के दौरान कुल उपयोग 116.78 एमएमएससीएमडी था जिसमें से 73.93 एमएमएससीएमडी घरेलू आपूर्ति थी और 42.85 एमएमएससीएमडी एलएनजी का आयात किया गया था।

आयातित एलएनजी की कम मांग के कारण, कुल पुन:गैसीकरण क्षमता 62.10 एमएमएससीएमडी में से 19.25 एमएमएससीएमडी का उपयोग नहीं किया जा सका।

विद्युत और उर्वरक क्षेत्र में संस्‍थापित क्षमता कार्यदल द्वारा अनुमानित मांग से बहुत कम है।

(घ): सरकार ने देश की प्राकृतिक गैस आवश्‍यकताओं को पूरा करने के उद्देश्‍य से गैस की उपलब्‍धता में सुधार के लिए कई कदम उठाए हैं। इसमें घरेलू प्राकृतिक गैस की कीमत में संशोधन, नई अन्‍वेषण लाइसेंस नीति (एनईएलपी) दौरों के जरिए घरेलू अन्‍वेषण और उत्‍पादन कार्यकलापों को सघन बनाना, शेल गैस नीति फ्रेमवर्क का विकास करना, देश में गैस हाइड्रेट्स संसाधनों का अनुसंधान और विकास करना, राष्‍ट्रपारीय गैस पाईपलाइनों की संभाव्‍यता का पता लगाना, कुछ एनईएलपी ब्‍लाकों को अन्‍वेषण और विकास के लिए मंजूरी देना, कुछ शर्तों सहित खनन पट्टा क्षेत्र में अन्‍वेषण करना और विदेश में तेल एवं गैस परिसंपत्तियों का अर्जन करना शामिल है।

\*\*\*\*